www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 314 || लखनऊ
मंगलवार
17 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:41
सूर्यास्तः 06:00
अधिकतमः 28°00
न्यूनतमः 13°00

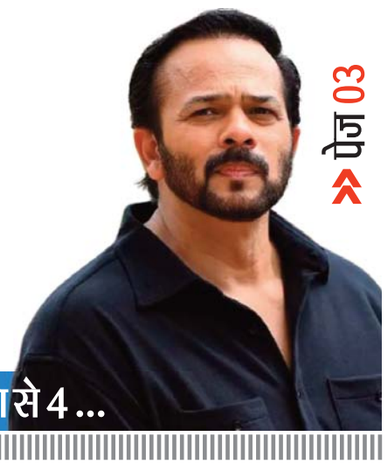

» पेज 03

विशेष समाचार | बंगाल का भविष्यः धर्म की लहर ... » पेज 02 | लखनऊ कोर्ट को बम से उड़ाने... » पेज 04 | रोहित शेट्टी फायरिंग केस में हरियाणा से 4 ...

फार्म- 7 के जरिए पीडीए के वोट कटवा रही भाजपा : अखिलेश

चुनाव आयोग और बीजेपी पर अखिलेश यादव ने साधा निशाना

चुनाव आयोग को ज्ञापन और विधानसभा में उठेगा मामला

अखिलेश यादव ने घोषणा की कि पार्टी के सभी विधायक चुनाव आयोग को ज्ञापन देंगे। साथ ही विधानसभा में भी यह मुद्दा उठाया जाएगा। उन्होंने मांग की कि फार्म-7 के जरिए नाम हटाने की प्रक्रिया केवल सरकारी बीएलओ द्वारा की जाए और किस क्षेत्र में कितने आवेदन जमा हुए, इसका पूरा डेटा सार्वजनिक किया जाए।

प्रेसवार्ता

अरमान

तमसा संकेत लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान भाजपा पीडीए और खासकर अल्पसंख्यकों के वोट कटवाने की साजिश कर रही है। फॉर्म-7 के जरिये भाजपा वोटों की चोरी कर रही है। आयोग कार्रवाई नहीं कर रहा है। भाजपा सरकार वोट काटकर चुनाव जीतना चाहती है। सपा प्रमुख का दावा है कि बीजेपी की एक गुप्त बैठक में यह तय किया गया था कि हर विधानसभा में वोट कटवाए जाएंगे। उन्होंने कन्नौज का जिक्र करते हुए कहा कि वहां के एक नेता ने भी बयान दिया था कि ज्यादा पढ़ा-लिखा कभी-कभी गलती कर देता है। भाजपा को ये बात पता है कि इस बार यूपी का चुनाव वो जीत नहीं रहे हैं। इसलिए वो ऐस हरकत कर रहे हैं। कैसे सामने वाला का वोट काटें। लेकिन जनता सब जानती है। हर बात का जवाब देगी। हम भी शांत नहीं रहेंगे। वोट में घोटाला होने नहीं देंगे।

कई विधानसभा क्षेत्रों में गड़बड़ी का दावा

सपा प्रमुख ने बिधूना, सकलडीहा, बाबागंज, भोजीपुरा और कन्नौज सहित कई क्षेत्रों में फर्जी दस्तावेजों से मतदाताओं के नाम कटवाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि कन्नौज में भाजपा नेताओं की एक गुप्त बैठक में सपा का वोट कटवाने की रणनीति बनाई गई थी।

आंकड़ों के जरिए गंभीर आरोप

अखिलेश यादव ने दावा किया कि प्रदेश में सपा की ओर से 47 फार्म-7 भरे गए, जबकि भाजपा द्वारा 1728 और अज्ञात नामों से 1,28,659 फार्म-7 आवेदन जमा कराए गए। उन्होंने कहा कि ड्राफ्ट रोल में बीएलओ द्वारा हटाए गए वोटों से करीब तीन गुना ज्यादा आवेदन अज्ञात लोगों से भरवाए गए।

लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का दावा

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर हर स्तर पर आवाज उठाएगी। सकलडीहा विधानसभा में फॉर्म 7 के 16 आवेदन जमा किए गए। वहीं बाबागंज विधानसभा के बूथ नंबर 365 पर फर्जी हस्ताक्षर कर फॉर्म 7 भरकर करीब 100 वोट कटवा दिए गए। हमारे एक बीएलए का भी वोट कटवा दिया गया। यह सीधी साजिश है, जिसमें असली वोटरों के नाम हटाने की कोशिश हो रही है।

'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' के नाम पर नोटिस का आरोप

उन्होंने मेरठ के एक वीडियो का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि अब 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' के नाम पर भी पीडीए मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं। उनके अनुसार कुछ विधानसभा क्षेत्रों में हजारों लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। हटाए गए वोटों से करीब तीन गुना ज्यादा आवेदन अज्ञात लोगों से भरवाए गए।

महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान भटकाने की कोशिश

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार के खिलाफ महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और निवेश के दावे जैसे बड़े मुद्दे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए मतदाता सूची विवाद को हवा दे रही है।

भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाए

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि वोट बढ़ाने का बीजेपी के लोग दवाब बनाएंगे क्योंकि उनका वोट कट गया है। उन्होंने फर्जी वोट बनाए थे। इसका मतलब फर्जी वोट डाले गए हैं और सबसे ज्यादा वोट बीजेपी के बूथों पर निकले हैं। जिस एसआईआर से ये पूरे देश को परेशान कर रहे थे मैं उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना चाहता हूं आज एसआईआर से बीजेपी परेशान है और इसलिए गुपचुप बैठक कर रहे हैं। अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बूथ पर 181 नोटिस जारी हुए, जिनमें से 76 प्रतिशत पीडीए समाज को मिले। 46 प्रतिशत नोटिस यादव और मुस्लिम समुदाय के लोगों को दिए गए। अयोध्या में सपा ने 47 फॉर्म 7 भरे, जबकि बीजेपी ने करीब एक हजार आवेदन दिए।

> सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अभी तक जिस एसआईआर से पूरा देश परेशान था अब उससे भाजपा के लोग परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाया है। ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।अखिलेश यादव प्रदेश में एसआ-ईआर के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई कच्ची मतदाता सूची पर बोल रहे थे।

18 फरवरी से शुरू होंगी यूपी बोर्ड की परीक्षाएं

राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का उद्घाटन 17 फरवरी को

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उ०प्र० माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक संचालित होंगी। परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस वर्ष भी व्यापक निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र देव ने बताया कि परीक्षाओं में नकल की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने तथा गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शिक्षा निदेशक (माध्यमिक),

उत्तर प्रदेश के शिविर कार्यालय, 18 पार्क रोड, लखनऊ में राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरी परीक्षा अवधि में ऑनलाइन मॉनिटरिंग एवं नियमित समीक्षा की जाएगी। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का उद्घाटन 17 फरवरी 2026 को अपराह्न 3 बजे माध्यमिक शिक्षा विभाग की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी द्वारा किया जाएगा।

थरूर विदेश मंत्री बनना चाहते हैं : मणिशंकर अय्यर

मैं गांधीवादी-नेहरूवादी हूं, राहुलवादी नहीं, पवन खेड़ा को जयराम रमेश का तोता बताया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने सोमवार को कहा कि INDIA ब्लॉक को मजबूत करने के लिए एमके स्टालिन सबसे सही नेता हैं, जबकि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन सकते हैं। अय्यर ने कहा कि राहुल भूल गए हैं कि मैं पार्टी का मेंबर हूं। इसलिए मैं गांधीवादी, नेहरूवादी और राजीववादी हूं लेकिन राहुलवादी नहीं हूं। अय्यर ने एक मीडिया चैनल से बातचीत में कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर एंटी-पाकिस्तान हैं। वे अगले विदेश मंत्री बनना चाहते हैं। अय्यर ने पवन खेड़ा को प्रवक्ता की जगह 'तोता' बताया। उन्होंने कहा- पवन खेड़ा वही दोहराते हैं, जो जयराम रमेश उन्हें बताते हैं।

» (शेष पेज 04 पर)

अय्यर के बयान की 2 बड़ी बातें...

- पवन खेड़ा पिछले दो साल से मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। अगर कांग्रेस पार्टी को अपने प्रवक्ता के लिए पवन खेड़ा के अलावा कोई नहीं मिलता, तो पार्टी की हालत वैसी ही रहेगी जैसी आज है। वहीं, जयराम रमेश को सिर्फ अपनी नौकरी बचानी है।
- क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक पार्टी की क्या स्थिति होगी, जो केसी वेणुगोपाल जैसे राउडी को राहुल गांधी के लिए सरदार पटेल के स्तर तक उठा दे?

फास्ट न्यूज

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 7 अधिकारी सस्पेंड किए

नई दिल्ली/कोलकाता। चुनाव आयोग (ECI) ने पश्चिम बंगाल में 7 अधिकारियों को सस्पेंड किया है। सभी पर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) में गंभीर लापरवाही, कर्तव्य की अनदेखी और वैधानिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप है।आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को निलंबित अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश भी दिए।

महाराष्ट्र में मुस्लिम विधायक शिवरात्रि पर मंदिर पहुंचे

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी-नगर में शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक और पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार के महाशिवरात्रि पर मंदिर दर्शन को लेकर विवाद हो गया। दावा किया जा रहा है कि सत्तार के दर्शन के बाद कुछ युवकों ने मंदिर परिसर में गौमूत्र छिड़ककर शुद्धिकरण किया। युवकों का गौमूत्र छिड़कने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवकों का कहना है कि सत्तार मांसाहारी भोजन करते हैं। उनके अनुसार, महाशिवरात्रि जैसे पवित्र दिन ऐसे व्यक्ति का मंदिर में प्रवेश उचित नहीं था। भाजपा के आध्यात्मिक मोर्चे के प्रमुख तुषार भोसले ने वर्धा में मीडिया से बातचीत में कहा कि यदि अब्दुल सत्तार ने हिंदू धर्म स्वीकार नहीं किया है।

भुवनेश्वर में छत पर धमाका, सीसीटीवी में घटना कैद

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के आजाद नगर में 27 जनवरी को एक घर की छत पर जोरदार धमाका हुआ। इसका CCTV फुटेज अब सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, मां-बेटा सहित 4 लोग किसी से बदला लेने के लिए छत पर बम बना रहे थे। इसी दौरान ब्लास्ट हो गया। इससे चारों लोग बुरी तरह झुलस गए। इनमें दो की मौत हो गई है।

गुजरात के 32 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

ईमेल में लिखा- बस को उड़ा देंगे, हिंदुस्तान टुकड़ों में बंट जाएगा

- बम की सूचना मिलने के बाद डॉग स्क्वॉड छानबीन करने पहुंचे।
- पैरेंट्स अपने बच्चों को लेने स्कूल पहुंचे। कुछ का आरोप है कि बाही इंतजार कराया गया।

पुलिस की टीम सभी 32 स्कूलों में जांच करने पहुंच चुकी है। आधे स्कूलों में कुछ नहीं मिला है।

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के 32 स्कूलों में ईमेल के जरिए बम की धमकी दी गई है। वडोदरा के 17 और अहमदाबाद के 15 स्कूल शामिल हैं। ईमेल में लिखा गया कि गुजरात खालिस्तान बन जाएगा, हिंदुस्तान टुकड़ों में बंट जाएगा। जानकारी सामने आते ही पैरेंट्स तुरंत स्कूल पहुंचे और बच्चों को वापस ले आए। बम निरोधक दस्ते ने स्कूलों में तलाशी शुरू कर दी है। फिलहाल स्कूलों को खाली करा लिया गया है और वाहनों व स्कूल परिसरों की जांच की जा रही है। एहतियात के तौर पर वडोदरा के उर्मी स्कूल के छात्रावास को भी खाली करा लिया गया है।

पीएम ने आई इम्पैक्ट समिट का किया उद्घाटन

300 से ज्यादा कंपनियां दिखा रहीं एडवांस गैजेट्स, खेती, पढ़ाई और सेहत पर फोकस

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में आज 16 फरवरी से दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी इवेंट में से एक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने इवेंट में शामिल हुए स्टार्टअप्स के पवेलियंस में जाकर उनके इनोवेशंस की जानकारी ली। ये इवेंट 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में चलेगा। समिट के साथ-साथ 'इंडिया AI इम्पैक्ट एक्सपो 2026' का भी आयोजन किया जा रहा है। यहां दुनियाभर की कंपनियां अपने लेटेस्ट AI सॉल्यूशंस को दुनिया के सामने पेश करेंगे। यहां आम लोग देख सकेंगे कि एआई असल जिंदगी

में कैसे काम करता है और भविष्य में AI से खेती, सेहत और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में क्या बदलाव लाने वाला है। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया और साउथ एशिया के प्रेसिडेंट पुनीत चंडोकः AI नौकरियों को पूरी तरह खत्म नहीं करेगा, बल्कि उनके काम करने के तरीके को बदल देगा। AI किसी भी काम को छोटे-छोटे हिस्सों (टास्क) में बांट देगा जिससे काम करना आसान होगा। समिट में 100 से ज्यादा देशों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

» (शेष पेज 04 पर)

- एआई एक्सपो में पीएम मोदी ने रोबो डॉग की खासीयतें देखीं।
- फाउंडर्स ने पीएम को अपने नए एआई गजेट्स की जानकारी दी।

पीएम मोदी बोले- दुनियाभर से आए लोगों का स्वागत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि आज से दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया 'AI इम्पैक्ट समिट' शुरू हो रही है। मैं इस समिट में हिस्सा लेने आए दुनिया भर के नेताओं, बड़े बिजनेसमैन, इनोवेटर्स, पॉलिसी बनाने वालों, रिसर्चर्स और टेक्नोलॉजी के जानकारों का दिल से स्वागत करता हूं। इस समिट की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' यानी 'सबका भला और सबकी खुशी' है। यह इंसानियत की तरक्की के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल करने के हमारे साझा संकल्प को दिखाती है।

7 चक्रों और 3 सूत्रों पर आधारित है पूरी समिट

इस बार की चर्चाओं को 7 'चक्रों' में बांटा गया है, जिनमें ह्यूमन कैपिटल, सोशल एम्पावरमेंट के लिए समावेश, सुरक्षित और भरोसेमंद AI, इनोवेशन, साइंस, AI रिसोर्सेज का लोकतंत्रीकरण और आर्थिक विकास शामिल हैं।

हादसा : पॉलीथीन में ले जाने पड़े शव, मैनेजर हिरासत में, फैक्ट्री सील

अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका

तमसा संकेत, एजेंसी

भिवाड़ी। राजस्थान के भिवाड़ी की केमिकल फैक्ट्री में अचानक तेज धमाका हुआ। इसमें 8 मजदूर जिंदा जल गए, जबकि 4 गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें दिल्ली एम्स रेफर किया गया है। शव बुरी तरह जल गए थे। कई शवों के कंकाल भर बचे थे। बॉडी पार्ट्स के टुकड़े बिखरे मिले। रेस्क्यू टीम ने इन टुकड़ों को पॉलीथीन में इकट्ठा किया। हादसा खुशखेड़ा कारौली इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ। फैक्ट्री मैनेजर अभिनंदन को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। फैक्ट्री को सील कर दिया है। एसपी मनीष कुमार ने बताया- मरने वालों के परिजनों की ओर से फैक्ट्री मालिक और जो फैक्ट्री चला रहा था, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज

राजस्थान के भिवाड़ी की केमिकल फैक्ट्री में जले मजदूरों के कंकाल पड़े थे।

करवाई है। हादसे में बिहार के मोतीहारी के सुजंत, मिंटू, अजीत, रवि और चंपारण जिले के रहने वाले श्याम और अमरेश की मौत हो गई। वहीं शिव शशिभूषण कहां का रहने वाला है, इसका पता नहीं चला। एक मजदूर की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई।

» (शेष पेज 04 पर)

एसपी मनीष कुमार ने बताया- मरने वालों के परिजनों की ओर से फैक्ट्री मालिक और जो फैक्ट्री चला रहा था, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। हादसे में बिहार के मोतीहारी के सुजंत, मिंटू, अजीत, रवि और चंपारण जिले के रहने वाले श्याम और अमरेश की मौत हो गई।

केमिकल फैक्ट्री में जले शवों को कंबल से ढक कर रखा गया है। इनकी पहचान नहीं हो पा रही है।

शादी से पहले फिजिकल रिलेशन समझ से परे : सुप्रीम कोर्ट

जब तक शादी नहीं, तब तक लड़का-लड़की अजनबी, किसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को रेप के आरोपों से जुड़े एक मामले में शादी से पहले फिजिकल रिलेशनशिप को लेकर हैरानी जताई। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि हम यह नहीं समझ पाते कि एक लड़का और लड़की शादी से पहले शारीरिक संबंध कैसे बना सकते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- हो सकता है हम पुराने ख्यालों के हों लेकिन जब तक शादी नहीं हो जाती तब तक लड़का और लड़की अजनबी होते हैं। उन्हें बहुत सावधान रहना चाहिए। किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना के साथ जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिस पर एक महिला से शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाने का आरोप है। वहीं, व्यक्ति पर पहले से शादीशुदा होने और बाद में दूसरी महिला से शादी करने का आरोप भी है। सरकारी वकील के मुताबिक, लगभग 30 साल की युवती की 2022 में एक मैट्रिमोनियल साइट पर शख्स से मुलाकात हुई थी। आरोप है कि शख्स ने युवती से शादी का वादा करके दिल्ली और बाद में दुबई में कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

> जस्टिस नागरत्ना ने सवाल किया कि युवती शख्स से मिलने दुबई क्यों गई। जब सरकारी वकील ने बताया कि दोनों शादी करने की प्लानिंग कर रहे थे, तो जस्टिस ने कहा- अगर महिला शादी को लेकर इतनी गंभीर थी, तो उसे शादी से पहले दुबई नहीं जाना चाहिए था। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- यह ऐसा मामला नहीं है जिनमें मुकदमा चलाया जाए और सजा दी जाए। क्योंकि संबंध आपसी सहमति से बने थे। कोर्ट ने आरोपी के वकील से युवती को मुआवजा देकर मामले को खत्म करने का निर्देश दिया।

सम्पादकीय

एआई शिखर समिट, भविष्य पर केंद्रित एक व्यापक सम्मेलन

नई दिल्ली में शुरू हो रहे एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन की महत्ता केवल इसलिए नहीं है कि यह एक पांच दिवसीय वैश्विक आयोजन है। इसका महत्व इसलिए भी है, क्योंकि इसमें 15 से अधिक देशों के शासनाध्यक्षों के साथ 50 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल हिस्सा ले रहे हैं। विश्व भर के एआई विशेषज्ञ एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी इस सम्मेलन के आकर्षण को और बढ़ा रही है। इस आयोजन के प्रति दिलचस्पी को इससे समझा जा सकता है कि दो लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। एक तरह से यह सम्मेलन जी 20 शिखर सम्मेलन से भी अधिक प्रभावशाली एवं विश्व का ध्यान अपनी ओर खींचने वाला हो सकता है। चूंकि यह भविष्य पर केंद्रित एक व्यापक सम्मेलन है, इसलिए यह आशा की जाती है कि इसके जरिये एआई को एक जिम्मेदार, टिकाऊ और समावेशी तकनीक के रूप में विकसित एवं विस्तारित करने पर सहमति बनेगी। ऐसा होना भी चाहिए, क्योंकि विश्व भर में एआई का प्रभाव और उसका बाजार तेजी से बढ़ रहा है। जीवन के हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव बढ़ता हुआ दिख रहा है। यह सर्वथा उचित है कि इस सम्मेलन में एआई की चुनौतियों से निपटने पर भी विचार-विमर्श होगा, लेकिन बात तब बनेगी जब उससे निपटने के किसी प्रभावी तंत्र पर सहमति भी बनेगी। यह सहमति इसलिए आवश्यक है, क्योंकि फिलहाल एआई पर चंद बड़े राष्ट्रों का ही वर्चस्व कायम है। यदि इस तकनीक का प्रसार अविकसित एवं निर्धन देशों तक नहीं पहुंचता तो इससे दुनिया में विषमता और अधिक बढ़ेगी ही। एआई का उपयोग समावेशी, नैतिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो, इसके लिए मेजबान भारत के साथ-साथ सभी देशों को प्रयत्न करने होंगे। तकनीक के संदर्भ में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि प्रत्येक तकनीकी विकास अपने साथ कुछ विसंगतियां एवं खतरे भी लाता है। एआई के साथ तो ऐसा कुछ अधिक ही है। इसके दुरुपयोग के मामले बढ़ते चले जा रहे हैं। निःसंदेह एआई विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो रही है, लेकिन उसका दुरुपयोग जिस तरह बढ़ रहा है, उससे उपयोगकर्ताओं के बीच उसके प्रति विश्वसनीयता और भरोसे का संकट पैदा हो रहा है। यह आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है कि एआई का दुरुपयोग रोकने की जिम्मेदारी संबंधित कंपनियों पर डाली जाए और इसके लिए उन्हें जवाबदेह भी बनाया जाए। एआई अपने साथ जो चुनौतियां लेकर आई है, उनमें एक यह भी है कि उसके कारण कई परंपरागत नौकरियां खत्म हो रही हैं। निःसंदेह यह तकनीक परंपरागत नौकरियों को खत्म करने के साथ नई नौकरियां का सृजन भी कर रही है। एक तरह से एआई चुनौतियों के साथ अवसर भी है। भारत को इस अवसर को भुनाने के लिए अपने लोगों को एआई के उपयोग के प्रति सक्षम बनाने के लिए और अधिक सक्रियता दिखानी होगी।

बंगाल का भविष्य: धर्म की लहर या प्रगति की राह?

> आज फिर अवसर है-या तो वह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है। बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो धूरवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विधूरवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा

घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-"बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है"-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग धूरवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है। यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय। ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रूवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल "कौन किसका प्रतिनिधि है" तक सीमित रह गया, तो "कौन क्या करेगा" का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा। बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रूवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगा; प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा?

■ ललित गर्ग

जन सुराज का...

रामस्वरूप रावतसरे

क्या भारत में 2046 तक बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग होंगे?

राजस्थान हाईकोर्ट ने बुजुर्गों की हालत को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अदालत का कहना है कि 2046 तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग होंगे लेकिन उनके लिए हमारा सिस्टम अभी तैयार नहीं है। इसी चिंता के बीच हाई कोर्ट की जयपुर बेंच ने राज्य के वृद्धाश्रमों की स्थिति की पड़ताल का आदेश दिया है ताकि यह पता चल सके कि वहाँ रहने वाले बुजुर्गों को वास्तव में कैसी सुविधाएँ मिल रही हैं और सिस्टम जमीनी स्तर पर कितना प्रभावी है। अदालत की यह टिप्पणी अहम है, जो भारत अभी सबसे युवा देश है, रफ्तार से दौड़ रहा है उसे अपने बुजुर्गों की भी चिंता करने की आवश्यकता है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण राज्य में चल रहे सभी 31 वृद्धाश्रमों (ओल्ड एज होम) की जाँच कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें वृद्धाश्रमों में चिकित्सा की सुविधा, फूड क्वालिटी, भवनों की स्थिति, सफाई और सुरक्षा के इंतजामों के विषय में विस्तार से बताया जाएगा। हाईकोर्ट ने बुजुर्गों की सामाजिक स्थिति पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों को हमेशा सम्मान और आदर का स्थान दिया गया है लेकिन समय के साथ यह परंपरा कमजोर होती जा रही है। संयुक्त परिवारों के टूटने, तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बदलती जीवनशैली ने बुजुर्गों को समाज में धीरे-धीरे असहाय और उपेक्षित स्थिति में पहुँचा दिया है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि समाज और व्यवस्था दोनों को बुजुर्गों की बदलती जरूरतों को समझते हुए अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार होना

होगा। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएन-एफपीए) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस) ने सितंबर 2023 में एक रिपोर्ट जारी की थी। यह रिपोर्ट देश और दुनिया के प्रमुख जनसंख्या और वृद्धावस्था संबंधी आँकड़ों के आधार पर तैयार की गई है। इसमें आईआईपीएस द्वारा किए गए 'लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग सर्वे इन इंडिया (2017-18)', भारत की जनगणना, भारत सरकार के जनसंख्या अनुमान (2011-2036) और संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या संभावनाएँ 2022 से प्राप्त आँकड़ों को आधार बनाया गया है रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया में साल 2022 में करीब 110 करोड़ लोग ऐसे थे जिनकी उम्र 60 साल या उससे ज्यादा थी। यह दुनिया की कुल आबादी का लगभग 13.9 प्रतिशत था। अगले 30 सालों में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ने वाली है। अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या बढ़कर करीब 210 करोड़ हो जाएगी और तब दुनिया की कुल आबादी में बुजुर्गों का हिस्सा करीब 22 प्रतिशत तक पहुँच जाएगा। यह बदलाव दुनिया के हर हिस्से में दिखाई देगा। भारत में भी ऐसा ही होगा। साल 2022 में भारत में करीब 14.9 करोड़ बुजुर्ग थे, जिनकी उम्र 60 साल या उससे ज्यादा थी। यह देश की कुल आबादी का लगभग 10.5 प्रतिशत था। लेकिन 2050 तक बुजुर्गों की संख्या बढ़कर करीब 34.7 करोड़ हो जाएगी और तब देश की आबादी में उनका हिस्सा करीब 21 प्रतिशत तक पहुँच जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2000 से 2022 के बीच भारत की कुल आबादी में करीब 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई लेकिन इसी दौरान 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या 103 प्रतिशत तक बढ़ गई, यानी बुजुर्गों की संख्या देश की कुल आबादी से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ी। इससे भी ज्यादा तेज बढ़ोतरी 80 साल से ऊपर उम्र के लोगों में हुई। इस उम्र वर्ग की आबादी में इस दौरान करीब 128 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आगे के अनुमान और भी चौंकाने वाले बताए जा रहे हैं। साल 2022 से 2050 के बीच भारत की कुल आबादी में सिर्फ 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है जबकि बुजुर्गों की संख्या करीब 134 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसी अवधि में 80 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या लगभग 279 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। खास बात यह है कि बहुत ज्यादा उम्र के बुजुर्गों में महिलाओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा होगी। इनमें बड़ी संख्या विधवा और दूसरों पर निर्भर रहने वाली महिलाओं की होगी। जैसे-जैसे उम्र 60 से 80 साल के बीच बढ़ेगी, बुजुर्ग महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में लगातार बढ़ती जाएगी। अनुमान के अनुसार साल 2046 तक भारत में बुजुर्गों की संख्या बच्चों (0 से 14 वर्ष) से ज्यादा हो जाएगी। वहीं, 2050 तक देश की कामकाजी उम्र की आबादी (15 से 59 वर्ष) में गिरावट आने लगेगी। आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत तेजी से 'एजिंग सोसाइटी' की और बढ़ रहा है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और जन्मदर में गिरावट ने मिलकर भारत के 'एज स्ट्रक्चर' को बदल दिया है। यह आँकड़ों का यह बदलाव लोगों और देश दोनों के लिए ही चुनौती लाने वाले है वो भी ऐसे वक्त में जब भारत को अपनी बूढ़ी होती आबादी की चिंता के लिए बहुत काम करना बाकी है। सामाजिक-आर्थिक तौर पर उम्र का यह बदलाव कई तरह के असर दिखाएगा जिससे निपटने भारत के लिए चुनौती होने वाला है। भारत में 60 साल की उम्र के बाद औसतन लोग करीब 18.3 साल और जीवित रहते हैं। इसमें महिलाओं की उम्र पुरुषों से ज्यादा होती है। 60 साल की उम्र के बाद महिलाएँ औसतन लगभग 19 साल और पुरुष लगभग 17.5 साल तक जीवित रहते हैं। महिलाएँ पुरुषों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहती हैं जिसके कारण वृद्ध महिलाओं की संख्या अधिक होती है। इनमें से बड़ी संख्या विधवाओं की होती है, जो अकेले रहती हैं और परिवार पर निर्भर होती हैं। सामाजिक सुरक्षा की सीमित व्यवस्था और समाज के पितृसत्तात्मक ढाँचे के कारण वृद्ध महिलाएँ अधिक असुरक्षित स्थिति में होती हैं।

उनके फैशन...

सुभाष शिरढोनकर

सलमान के साथ नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

जानी-मानी एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह हर बार अलग किरदार में नजर आती रही हैं। उन्होंने कमर्शियल फिल्मों के मुकाबले परफॉरमेंस ओरिएंटेड फिल्मों को हमेशा ज्यादा महत्व दिया। आने वाले हर ऑफर को स्वीकार करने के बजाए चित्रांगदा सिंह उनमें से ऐसी स्क्रिप्ट्स चुनती हैं जो उनके किरदार को मजबूती दें। वह शुरू से क्वालिटी को क्वांटिटी से ज्यादा तरजीह देती आई हैं। उनकी यही कोशिश होती है कि वे ऐसी फिल्में करें जिनमें शानदार परफोरमेंस का अवसर उन्हें मिले। चित्रांगदा सिंह की तुलना अक्सर बीते ज़माने की दिग्गज अभिनेत्री स्मिता पाटिल से की जाती है। स्मिता की तरह शानदार एक्टिंग की वजह से उनकी कुछ फिल्में काफी बेहतरीन भी साबित हुई हैं। चित्रांगदा सिंह ने दिल्ली में रहते हुए अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की थी और इसके बाद उन्हें पहले म्यूजिक वीडियो 'सनसेट पॉइंट' में काम मिला। उसके बाद म्यूजिक एलबम 'तुम तो ठहरे परदेसी' के जरिए उन्हें पहचान मिली। कॉलेज की पढाई खत्म करने के बाद चित्रांगदा को तीन बार एयर होस्टेस के ऑफर मिले लेकिन हर बार उन्होंने वो ऑफर ठुकरा दिए। अभिषेक बच्चन, अक्षय कुमार, संजय दत्त और जॉन अब्राहम जैसे स्टार्स के साथ सिल्वर स्क्रीन पर नजर आ चुकी चित्रांगदा सिंह अब सलमान खान के साथ फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म में वो सलमान खान संग रोमांस फरमाती हुई दिखाई देंगी। यह फिल्म इस साल 17 अप्रैल को रिलीज हो रही है। चित्रांगदा जितनी खूबसूरत हैं, उतनी ही ग्लैमरस भी हैं। 49 की उम्र में भी वह खूबसूरती के मामले में बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसों को कड़ी टक्कर देती हैं। अपनी खूबसूरती और उम्दा अदाकारी की बदौलत चित्रांगदा सिंह ने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। वह अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। साड़ी लुक में तो वह कमाल की नजर आती हैं। उनके फैशन सेंस, खूबसूरत हेयर स्टाइल और पर्सनालिटी पर फैंस अपना दिल हार बैठे है। फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' के अलावा चित्रांगदा सिंह अपकमिंग मल्टीस्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का एक गाना 'लाल परी' रिलीज हो चुका है जिसमें चित्रांगदा सिंह की झलक देखने को मिली है। गाने में उनका ग्लैमरस अंदाज हर किसी को खूब लुभा रहा है। चित्रांगदा का फिल्म करियर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। प्रोफेशनल लाइफ की तरह उनकी पर्सनल लाइफ में भी काफी उथल पुथल रही। 30 अगस्त 1976 को जोधपुर के एक आर्मी ऑफिसर फैमिली में पैदा हुई चित्रांगदा सिंह ने सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी' (2005) से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

विकसित भारत का आधार बनें एमएसएमई

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने बीते दिनों बैंकों के लिए माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (एमएसई) को गिरवी मुक्त या बिना किसी गारंटी के ऋण देने की सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया। इस वर्ष अप्रैल के बाद से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण पर रिजर्व बैंक का यह फैसला प्रभावी होगा। 'क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज' ऋण लेने वाले उद्यमियों की गारंटी लेगा। निश्चित रूप से आरबीआई की यह है पहल एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर पहल सिद्ध होगी। ध्यातव्य रहे कि इस बार के बजट में वित्त मंत्री ने एमएसएमई की क्रेडिट सुविधा बढ़ाने और उनके लिए अलग से 10,000 करोड़ रुपये का फंड बनाने की घोषणा की है। आर्थिक समीक्षा 2025-26 बताती है कि एमएसएमई भारत की औद्योगिक अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। यह क्षेत्र देश के कुल विनिर्माण उत्पादन का लगभग 35.4 प्रतिशत, कुल निर्यात का लगभग 48.58 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 31.1 प्रतिशत योगदान करता है। देश में 7.47 करोड़ से अधिक उद्यम, जो लगभग 32.82 करोड़ लोगों को

रोजगार प्रदान करते हैं, इस क्षेत्र को कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगारप्रदाता बनाते हैं। वैश्विक स्तर पर भी लगभग 90 प्रतिशत व्यवसाय एमएसएमई स्वरूप में ही हैं और कुल वैश्विक रोजगार का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा प्रदान करते हैं। भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक एकीकरण की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में एमएसएमई की भूमिका प्रभावी आपूर्ति-शृंखला, स्थानीय मूल्य संवर्धन और समावेशी क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि 2024 में 'उद्यमी भारत-एमएसएमई दिवस' के अवसर पर यशस्विनी अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य 2029 तक लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई की सार्वजनिक खरीद में न्यूनतम तीन प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना है।

■ ऋतु सारस्वत

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

अशोक भाटिया

पाकिस्तान की जनता पर लग रहे है झटके पर झटके

पाकिस्तान की जनता पर लग रहे है झटके पर झटके एक तो भारत के धुरंधर क्रिकेट टीम ने T20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान को 61 रनों से करारी हार दी है तो वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान में अब डीजल-पेट्रोल और महंगा हो गया है. पाकिस्तानी सरकार ने अगले 15 दिनों के लिए पेट्रोल की कीमत 5 रुपये प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 7.32 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दी है. यह जानकारी पाकिस्तानी न्यूज चैनल, Geo News ने दे रही है. नई रेट सोमवार, 16 फरवरी से लागू होंगी अब पाकिस्तान में पेट्रोल 258.17 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर में मिलेगा, जो पहले 253.17 रुपये था. वहीं डीजल की कीमत बढ़कर 275.70 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो गई है, जो पहले 268.38 रुपये थी. बता दें कि पाकिस्तान में फ्यूल की कीमतों की समीक्षा हर 15 दिन में की जाती है. ये कीमतें अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में उतार-चढ़ाव, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति और देश के अंदर टैक्स में बदलाव के आधार पर तय की जाती हैं. पाकिस्तान में हाई-स्पीड डीजल की कीमतें ज्यादा चिंता का विषय रहती हैं, क्योंकि इसका इस्तेमाल परिवहन, खेती और बिजली उत्पादन में बड़े पैमाने पर होता है. डीजल महंगा होने से महंगाई बढ़ती है और जरूरी सामानों की कीमतें भी ऊपर जाती हैं. Geo News के मुताबिक पेट्रोल का इस्तेमाल छोटी गाड़ियों, रिक्शा और दोपहिया वाहनों में ज्यादा होता है. पेट्रोल की कीमतें डीजल जितनी बड़ी समस्या नहीं मानी जातीं, लेकिन इससे मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के परिवारों के बजट पर असर पड़ता है, जो रोजमर्रा की आवाजाही के लिए पेट्रोल वाहनों का इस्तेमाल करते हैं. इससे पहले 1 फरवरी की 15 दिन वाली समीक्षा में पाकिस्तान सरकार ने हाई-स्पीड डीजल की कीमत 14 रुपये प्रति लीटर घटाई थी. तब डीजल की कीमत 282.38 रुपये से घटाकर 268.38 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी, जबकि पेट्रोल की कीमत 253.17 रुपये प्रति लीटर पर ही रखी गई थी. पाकिस्तान में इस

समय सिर्फ बारूदी बम ही नहीं बल्कि महंगाई वाले बम भी फट रहे हैं, जो शहबाज शरीफ और जनरल मुनीर के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है. आर्थिक मोर्चे पर देश गंभीर संकट में है. एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में गेहूं की कीमतों में एक महीने में 30 से 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. विश्व बैंक ने भी 2025-26 के लिए पाकिस्तान की जीडीपी वृद्धि दर केवल 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है. देश में आम जनता महंगाई से बुरी तरह प्रभावित है. स्थिति ऐसी है कि चिकन से भी महंगा टमाटर बिक रहा है. चिकन की कीमत जहां 600 प्रति किलोग्राम है, वहीं लाहौर, कराची और पेशावर जैसे शहरों में टमाटर 700 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है. दूसरी ओर बलूचिस्तान में एक बार फिर बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना और सुरक्षाबलों को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर हमले किए हैं. इन हमलों को बलूचिस्तान की आजादी की मांग करने वाले बलूच विद्रोही गुटों ने अंजाम दिया है. कई इलाकों में पाकिस्तानी सुरक्षाबल बैकफुट पर नजर आए और कुछ स्थानों पर सरकारी संस्थानों को आग के हवाले कर दिया गया. ये हमले चार शहरों में किए गए- तुरबत, केच, क्वेटा और पंजगुर. तुरबत के डी बलोच इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड हमला हुआ. अभी तक हताहतों या नुकसान की पुष्टि नहीं हो सकी है. वहीं केच जिले के बुलेदा इलाके में जोरदार विस्फोटों और भारी गोलीबारी की खबरें हैं. इस क्षेत्र में संचार सीमित होने के कारण विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है. बलूचिस्तान की राजधानी कोटा में हजारगंजी और फैजाबाद इलाकों में पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर दो ग्रेनेड हमले किए गए. पंजगुर के वाशबोद इलाके में CPEC हाइवे को बंद कर हथियारबंद लोगों ने वाहनों की तलाशी ली और यात्रियों की पहचान जांची गई. बताया जाता है कि पाकिस्तान में दो पुलिस वाहन जब्त किए गए और उनमें मौजूद हथियार कब्जे में लिए गए. इसके अलावा एक पुलिस थाने को कब्जे में लेकर उसमें आग लगा दी गई. बोनिस्तान इलाके की एक चेकपोस्ट भी हमलावरों के नियंत्रण में आ गई. सरकारी समर्थन प्राप्त मिलिशिया 'डेथ स्क्वाड' के कमांडर कासिम के नेतृत्व में काम करने वाले कुछ सदस्यों के घायल होने की खबर है. हाल ही में हौशाब जिले में एक बड़ा सशस्त्र अभियान हुआ, जिसमें विद्रोहियों ने इलाके का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया. NADRA कार्यालय और लेविज स्टेशन को जला दिया गया. इसके अलावा M8 CPEC हाइवे पर एक नाकेबंदी के दौरान 10 गैर-स्थानीय नागरिकों को बंधक बना लिया गया. बहरहाल मैदान पर टीम इंडिया के गेंदबाजों ने विकेट उखाड़े, तो उधर पाकिस्तान में न जाने कितने टीवी टूटे होंगे। कोलंबो में भारत से मिली शर्मनाक हार के बाद एक पाकिस्तानी फैन का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि कैसे एक शख्स हार की 'बेइज्जती' बर्दाश्त नहीं कर पाया और हाथ में बल्ला लेकर अपने ही घर के टीवी के परखच्चे उड़ा दिए। दरअसल, पाकिस्तानी फैन वकार आजम ने जो वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने गुस्से वाले दो इमोजी और एक दिल टूटने वाला इमोजी लगाया। इतना ही उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, भारत ने पाकिस्तान को फिर हरा दिया और मैंने गुस्से में अपना टीवी तोड़ दियाॅ। वीडियो वायरल होने पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी। वहीं, पाकिस्तान में एक यू-ट्यूब चैनल के शो के दौरान भी फैन ने गुस्से में टीवी तोड़ दिया। मालूम हो कि पाकिस्तान में भारत से हार के बाद टीवी तोड़ना अब आम बात हो गई है। हर बार जब पाकिस्तान टीम को हार मिलती है तो पड़ोसी मुल्क में इसी तरह टीवी तोड़े जाते रहे हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अब तक इतिहास में केवल एक ही बार जीत हासिल कर पाई है। टी20 विश्व कप की ही बात करें तो भारत और पाकिस्तान के बीच कुल 9 बार टक्कर हुई है जिसमें से 8 बार भारतीय टीम को जीत मिली है, जबकि सिर्फ एक बार पाकिस्तान ने जीत का स्वाद चखा है। 2021 के बाद से तो लगातार भारतीय टीम विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को मात दे रही है।

भारत के सामने जीतने से पाकिस्तान का 'बॉयकॉट'

मैच खत्म होने से पहले ही स्टेडियम छोड़कर भागे मोहसिन नकवी

नई दिल्ली, एजेंसी

सिडनी, बेंगलुरु, मैनचेस्टर, सेंचुरियन, डरबन, जोहान्सबर्ग, मोहाली, ढाका, एडिलेड, कोलकाता, मैनचेस्टर, मेलबर्न, अहमदाबाद और न्यूयॉर्क के बाद कोलंबो में भी पाकिस्तानी टीम ने भारत के सामने जीत का 'बॉयकॉट' कर दिया। ये वे शहर हैं जहां भारतीय टीम ने पाकिस्तान को विश्व कप मुकाबलों में हराया है। बांग्लादेश के समर्थन में टी-20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट के नाटक के बाद यहां खेलने उतरी पाकिस्तानी टीम कायदे से प्रतिद्वंद्विता भी पेश नहीं कर पाई। 176 रनों के लक्ष्य के सामने पाकिस्तानी टीम 18 ओवरों में सिर्फ 114 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत की तरफ से हार्दिक, बुमराह, अक्षर और वरुण ने दो-दो विकेट लिए। पाकिस्तानी बल्लेबाजों की हालत यह रही कि पार्ट टाइम स्पिनर तिलक वर्मा ने भी आते ही अपनी पहली गेंद पर शादाब खान का विकेट लिया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह खिलाए गए कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने भी एक विकेट लिया। कभी तेज गेंदबाजी के लिए पहचानी जाने वाली पाकिस्तानी टीम ने ट्रिकी पिच पर छह स्पिनरों का इस्तेमाल करके भारतीय बल्लेबाजों को रोके रखा। अकेले ईशान किशन (77) ने उनका ढंग से सामना करते हुए करियर का चौथा अर्धशतक ठोका। पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। उनके अलावा पांच स्पिनरों सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद नवाज और उस्मान तारिक ने अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या को हिलने नहीं दिया। हालांकि इशान ने स्वीप, रिवर्स स्वीप का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए तीन छक्के और 10 चौके से भारत को अभिषेक शर्मा के झटके से उबारा। पाकिस्तान की तरफ से सिर्फ दो ओवर तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने किए। बाकी 18 ओवर स्पिनरों ने फेंके। पाकिस्तानी कप्तान आगा ने शानदार मूव लेते हुए तेज गेंदबाज अफरीदी की जगह खुद पहला ओवर फेंका।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी बेदम

इस पिच पर 176 रन हासिल करना आसान काम नहीं था। भारत के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने शुरुआती चार ओवर में 25 रन पर ही तीन विकेट चटकाकर पाकिस्तान को बैकफुट पर ढकेल दिया। पाकिस्तान की तरफ से पहला ओवर स्पिनर व कप्तान सलमान आगा ने किया था जबकि भारत की ओर से स्पिनर के तौर पांचवें ओवर में अक्षर पटेल गेंदबाजी करने उतरे। पांचवां ओवर खत्म होने तक पाकिस्तान के शीर्ष चार बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, सलमान आगा और बाबर आजम पवेलियन जा चुके थे। भारतीय बल्लेबाजी के बीच के ओवर अगर छोड़ दें तो बाकी कहीं भी पाकिस्तानी टीम जीतती हुई नजर नहीं आई। 73 रन पर उसके पांच विकेट गिर गए थे जिसके बाद उसका जीतना नामुमकिन था। किसी तरह उनके बल्लेबाज घिसटते हुए मैच को 18वें ओवर तक ले गए।

मोहसिन नकवी मैच खत्म होने से पहले स्टेडियम छोड़कर भागे

एशिया कप में भारत के चैंपियन बनने के बाद ट्रॉफी लेकर भागने वाले पाकिस्तानी गृह मंत्री और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी (MOHSIN NAQVI IND VS PAK) के अलावा उनके दर्शक अपनी टीम की हार तय होने के बाद ही प्रेमदासा स्टेडियम से निकल गए। वहीं, आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, बीसीसीआई पदाधिकारियों और भारतीय दर्शकों ने कोलंबो में जमकर जीत का जश्न मनाया।

टी-20 वर्ल्डकप में अमेरिका की लगातार दूसरी जीत

नामीबिया को 31 रन से हराया, संजय कृष्णमूर्ति ने 68 रन बनाए

चेन्नई, एजेंसी

अमेरिका ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। रविवार को टीम ने नामीबिया को 31 रन से हरा दिया। 26वें मैच में USA ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। ग्रुप-ए का यह मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका ने नामीबिया को 200 रन का टारगेट दिया। टीम ने 4 विकेट खोकर 199 रन बना दिए। संजय कृष्णमूर्ति ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए। उन्होंने 33 बॉल पर 6 सिक्स और 4 चौके लगाए। वहीं कप्तान मोनांक पटेल ने 30 बॉल पर 52 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 3 सिक्स लगाए। नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरास्मस और विलेम माईबर्ग ने 2-2 विकेट चटकाए। रूबेन ट्रम्पलमैन सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने 4 ओवर में 52 रन दे दिए। 200 रन का पीछा करने उतरी नामीबिया की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन ही बना सकी। टीम से लॉरेन स्टीनकैंप ने 58 रन की पारी खेली। जेजे स्मिट ने 31 रन का योगदान दिया। अमेरिका से शैडली वान शाल्कविक ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। मैच का स्कोरकार्ड टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से नामीबिया बाहर हो गया है। ग्रुप-ए में टीम अपने तीनों मैच हार गई। नामीबिया को हराकर अमेरिका अभी भी क्वालिफिकेशन राउंड में बना हुआ है। भारत पॉइंट्स टेबल के टॉप पर मौजूद है। अमेरिकाः मोनांक पटेल (कप्तान), शयन जहांगीर (विकेटकीपर), साईतेजा मुक्कामल्ला, मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति, शुभम रंजने, हरमीत सिंह, मोहम्मद मोहसिन, शैडली वान शाल्कविक, सौरव नेत्रवलकर और अली खान।

फास्ट न्यूज

'ओ रोमियो' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

मुंबई। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म ओ रोमियो को रिलीज हुए तीन दिन हो चुके हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, रविवार को भारत-पाकिस्तान मैच के बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। इस रोमांटिक एक्शन-ड्रामा ने तीसरे दिन 11 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया, जिसके बाद भारत में फिल्म की कुल कमाई 34.51 करोड़ रुपए हो गई है।

भारत की शानदार जीत पर बॉलीवुड सेलेब्स का रिएक्शन

मुंबई। आईसीसी मेन्स टी20 विश्व कप में रविवार को भारत ने पाकिस्तान को हराकर शानदार जीत हासिल की। इसके बाद से पूरे देश में जश्न का माहौल है। हर कोई भारतीय टीम को इस जीत की बधाई दे रहा है। ऐसे में अजय देवगन, विवेक ओबेरॉय समेत कई बॉलीवुड सितारों ने भी अपनी खुशी जाहिर की है। भारत की जीत के बाद अजय देवगन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, इस शानदार टीम ने जीत को बेहद आसान बना दिया। क्या खेला है। विवेक ओबेरॉय ने एक्स पर लिखा, ये मौका भी गया। ईशान किशन की 40 गेंदों पर खेली गई 77 रनों की शानदार पारी और जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के बेहतरीन शुरुआती विकेट। पूरे मैच के दौरान मेरी चीखें गूंज रही थीं। हमारी भारतीय टीम को और अधिक शक्ति मिले।

सेंसेक्स में 500 अंक की बढ़त

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 16 फरवरी को बढ़त है। सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 83,150 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 150 अंक से ज्यादा की बढ़त है, ये 25,650 पर कारोबार कर रहा है। आज एनर्जी, बैंकिंग और फार्मा शेयर्स में बढ़त है। इससे पहले पिछले हफ्ते यानी 13 फरवरी को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1048 अंक नीचे 82,627 पर बंद हुआ था।

बांग्लादेश में हिंदू नेता को मंत्री बना सकते हैं रहमान

30 साल पहले भी मिनिस्टर रहे थे गोयेश्वर

ढाका, एजेंसी

चुनाव में भारी बहुमत हासिल करने के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) नई सरकार बनाने की तैयारी में है। सरकार ने निर्वाचित सांसदों की आधिकारिक गजट अधिसूचना जारी कर दी है। पार्टी से 2 हिंदू सांसद भी चुने गए हैं। इनमें से ढाका-3 सीट से जीत दर्ज करने वाले गोयेश्वर चंद्र रॉय को नई कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। रॉय BNP के प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। वह खालिदा जिया की BNP सरकार में लगभग 30 साल पहले (1991-1996) राज्य मंत्री थे। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक, तारीक रहमान प्रधानमंत्री पद समेत रक्षा मंत्रालय और दूसरे पांच मंत्रालय अपने पास रख सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 148 के मुताबिक, आधिकारिक नतीजे आने के तीन दिन के भीतर निर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ लेनी होती है। 13वें संसदीय चुनाव के निर्वाचित सदस्य मंगलवार को शपथ लेंगे, जबकि कैबिनेट भी उसी दिन बाद में शपथ लेगी। यह जानकारी चुनाव आयोग के सचिव अख्तर अहमद ने शनिवार को प्रेस ब्रीफिंग में दी। गोयेश्वर चंद्र रॉय बांग्लादेश की राजनीति में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक माने जाते हैं। उनका जन्म 1 नवंबर 1951 को ढाका जिले के केरानीगंज में एक बंगाली हिंदू परिवार में हुआ था।

700 करोड़ कमाने वाली एक्शन थ्रिलर ओटीटी पर मचाया गदर

थिएटर के बाद ओटीटी पर 366 दिन तक छाई रही 'सालार'

नई दिल्ली। आजकल ये एक ट्रेंड है कि थिएट्रिकल रन पूरा करने के बाद फिल्में ओटीटी पर स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबल होती हैं। इनमें से कुछ फिल्में होती हैं जो दर्शकों को खूब पसंद आती हैं और हफ्तों तक ट्रेंडिंग लिस्ट का हिस्सा होती हैं। वहीं कुछ फिल्में होती हैं जो महीनों तक भी चल जाती हैं। जिस फिल्म की बात की जा रही है वह है सालारः पार्ट 1 – सीजफायर (Salaar Part 1 Ceasefire), 2023 की एक इंडियन तेलुगु-लैंग्वेज एपिक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया है और होम्बले फिल्म्स के तहत विजय किरागंदूर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में प्रभास (Prabhas) और पृथ्वीराज सुकुमारन (Prithviraj Sukumaran) लीड रोल में हैं, साथ में श्रुति हासन, जगपति बाबू, बॉबी सिम्हा, श्रीया रेड्डी, रामचंद्र राजू, जॉन विजय, ईश्वरी राव, टीनू आनंद, देवराज, ब्रह्माजी और माइम गोपी भी हैं। खानसार के काल्पनिक डिस्टोपियन शहर-राज्य में, जहां अभी भी राजशाही है, फिल्म खानसार के देश निकाला पाए राजकुमार देवा (प्रभास) और खानसार के मौजूदा राजकुमार वरधा (पृथ्वीराज सुकुमारन) के बीच दोस्ती को दिखाती है। जब उसके पिता के मंत्री और उसके रिश्तेदार तख्तापलट का प्लान बनाते हैं, तो वरधा खानसार का बिना किसी शक के शासक बनने के लिए देवा की मदद लेता है। पार्ट 1 – सीजफायर 22 दिसंबर 2023 को क्रिसमस के मौके पर थिएटर में रिलीज हुई थी।

बॉक्स ऑफिस पर कमाए थे 700 करोड़ रुपये

लेकिन आज हम एक ऐसी फिल्म के बारे में बात करने जा रहे हैं जिसने लगभग 366 दिनों तक ओटीटी पर राज किया वो भी थिएटर में अच्छा खासा कलेक्शन करने के बाद। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ की धांसू कमाई की और यह 250 करोड़ के आसपास के बजट के साथ तैयार हुई थी।

यह एक एक्शन थ्रिलर है जो खानसार के डायस्टोपियन शहर-राज्य में हीरो और विलेन के बीच गहरी दोस्ती पर फोकस करती है। जब एक तख्तापलट से वर्धा की विरासत पर खतरा मंडराता है, तो वह अपने बचपन के वफादार दोस्त हीरो को बुलाता है, जो क्रूर आदिवासी सत्ता संघर्षों के बीच उसे बचाने के लिए बहुत ज्यादा हिंसा करता है।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में हरियाणा से 4 आरोपी गिरफ्तार

मुख्य शूटर हरि बॉक्सर और आरजू के संपर्क में था

मुंबई/फरीदाबाद। मुंबई में फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर पर 31 जनवरी को पांच राउंड फायरिंग हुई थी। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच और हरियाणा के झज्जर की बहादुरगढ़ स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने संयुक्त ऑपरेशन के तहत हरियाणा के बहादुरगढ़ से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपियों को मुंबई लाने की तैयारी है। हरियाणा STF के एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि मुंबई में रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के बाद मुंबई पुलिस की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने उनसे संपर्क किया था। इसके बाद हरियाणा STF और मुंबई पुलिस ने मिलकर बहादुरगढ़ से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनका नाम ऋतिक यादव, दीपक, सनी और सोनू है। सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

11 लोग अब तक अरेस्ट

रोहित शेट्टी की बिल्डिंग पर फायरिंग हुई थी

31 जनवरी देर रात रोहित शेट्टी की बिल्डिंग पर पांच राउंड फायरिंग की गई थी। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने मुंबई के जुहू इलाके में स्थित नौ मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर रात करीब 12.45 बजे फायरिंग की। उन्होंने बताया था कि कम से कम पांच राउंड गोलियां चलाई गईं, जिनमें से एक गोली इमारत में बने जिम के शीशे से टकराई।

बांग्लादेश-यूनुस के खिलाफ जांच आयोग बैठा सकती है रहमान सरकार

18 मंत्रियों की संपत्ति में इजाफा, यूनुस की प्रॉपटी ₹12 करोड़ हुई

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद गठित मोहम्मद यूनुस सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में उछाल आया है। सरकार के मुखिया यूनुस की संपत्ति में एक साल में लगभग 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यूनुस की संपत्ति अब कुल साढ़े 12 करोड़ रुपए हो गई है, इसमें लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए का उछाल आया है। अंतरिम सरकार के टॉप 4 मंत्रियों में सबसे ज्यादा संपत्ति की वृद्धि यूनुस की हुई है। दूसरे नंबर पर आवास मंत्री अदिलुर रहमान की संपत्ति में 1 करोड़ 23 लाख रुपए की वृद्धि हुई। यूनुस के 21 में से 18 मंत्रियों की संपत्ति बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार नए पीएम रहमान अंतरिम सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में इजाफे की जांच के लिए कमेटी गठित कर सकते हैं। इस सब के बीच यूनुस अब फिर से पेरिस में बसने की तैयारी में हैं। बता दें कि यूनुस बांग्लादेश के एकमात्र नोबेल अवॉर्ड विजेता हैं। बांग्लादेश में माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बड़ा नाम यूनुस का शेख हसीना सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हुए थे। लेकिन यूनुस ने अपनी सरकार बनने पर केस वापस कर लिए थे। तारिक रहमान की जीत के साथ ही यूनुस सरकार में आईटी मंत्री रहे फैज अहमद तैयब नीदरलैंड्स लौट गए हैं। फैज के कार्यकाल के दौरान IT सेक्टर में उनके द्वारा विदेशी कंपनियों के पक्ष में दिए गए कुछ फैसलों को लेकर आपत्तियां भी आई थीं। उन पर अनावश्यक हाई-कैपेसिटी इक्विपमेंट खरीद के लिए कुछ कंपनियों को टेंडर जारी करने के भी आरोप हैं। यूनुस सरकार में पर्यावरण मंत्री सैयदा रिजवाना का कहना है कि फैज अपने परिवार के साथ नीदरलैंड्स में ही रहते हैं, वे यूनुस सरकार में शामिल होने के लिए बांग्लादेश लौटे थे। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित पीएम रहमान ने रविवार देर शाम जमात के अमीर (प्रमुख) शफीकुर रहमान के साथ मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार रहमान ने संसद के सुचारु संचालन के लिए जमात के साथ समझौते पर सहमति भी बनाई है। बता दें कि जमात ने 32 सीटों में धांधली का आरोप लगाया है। दूसरी ओर सूत्रों के अनुसार ढाका में चीन और पाकिस्तान के दूतावासों में बैठकों के दौर तेज हो गए हैं। पाकिस्तान से लगभग 6 वरिष्ठ आर्मी अफसर पिछले एक पखवाड़े से दूतावास में डेरा जमाए हुए हैं।

ठप : एप और वेब दोनों जगह नहीं चल रहा, 1 महीने में दूसरी बार सर्विस ठप हुई

दुनियाभर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स डाउन

नई दिल्ली, एजेंसी

इलॉन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पहले ट्विटर) की सर्विस आज दुनियाभर में ठप हो गई हैं। हजारों यूजर्स फीड एक्सेस नहीं कर पाने और ब्लैंक स्क्रीन दिखने की शिकायत कर रहे हैं। हालांकि यह बीच में कुछ समय के लिए फिर से चालू और बंद हो रहा है। आउटेज को ट्रैक करने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' पर शाम 7 बजे से अब तक ज्यादा 45,000 से ज्यादा लोग शिकायत कर चुके हैं। यूजर्स का कहना है कि वे न तो अपनी टाइमलाइन देख पा रहे हैं और न ही नई पोस्ट कर पा रहे हैं। X की सर्विस 1 महीने में दूसरी बार ठप हुई है। इससे पहले 16 जनवरी को भी भारत,अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा समेत कई देशों में हजारों यूजर्स को एक्सेस करने में परेशानी हुई थी। 27 अक्टूबर 2022 को इलॉन मस्क ने ट्विटर (अब X) खरीदा था। ये डील 44 बिलियन डॉलर में हुई थी। आज के हिसाब से ये रकम करीब 3.84 लाख करोड़ रुपए होती है। मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स CEO पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव विजया गड्डे और सीन एडगेट को निकाला था। 5 जून 2023 को लिंडा याकारिनो ने X के CEO के तौर पर जॉइन किया था। इससे पहले वो NBC यूनिवर्सल में ग्लोबल एडवर्टाइजिंग एंड पार्टनरशिप की चेयरमैन थीं। 26 अप्रैल 2024, दोपहर करीब 1.15 बजे से X डाउन हो गया था। डाउन डिटेक्टर पर 145 लोगों ने X को यूज करने में दिक्कत की रिपोर्ट की थी।

एप और वेब दोनों पर लोडिंग की समस्या, ग्रोक एआई भी बंद

इस आउटेज का असर मोबाइल एप्लिकेशन और डेस्कटॉप वर्जन दोनों पर देखा गया। यूजर्स ने बताया कि एप खोलने पर उन्हें सिर्फ ब्लैंक स्क्रीन दिख रही है। इसके साथ ही मस्क की कंपनी xAI का चैटबॉट 'ग्रोक' भी काम नहीं कर रहा। यूजर्स के रिफ्रेश करने पर पुरानी पोस्ट गायब हो रहीं और कोई नया डेटा लोड नहीं हो रहा।

एक्स की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं

इलॉन मस्क या X की सपोर्ट टीम ने अभी तक इस आउटेज की वजह या इसके ठीक होने के समय को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। आमतौर पर X ऐसे मामलों में आंतरिक रूप से पैच अपडेट जारी करता है, जिसके बाद सर्विस धीरे-धीरे बहाल होती है। बार-बार होने वाले इन तकनीकी हादसों ने प्लेटफॉर्म की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दुनियाभर में X के 49% यूजर्स वेबसाइट नहीं चला पा रहे हैं। वहीं,41% लोगों को एप इस्तेमाल करने में परेशानी हो रही है।

थोक महंगाई 10 महीने में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। जनवरी में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 1.81% पर पहुंच गई है। इससे पहले दिसंबर में थोक महंगाई 0.83% पर थी। ये 10 महीनों में सबसे ज्यादा है। मार्च 2025 को ये 2.05% पर थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 16 फरवरी को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। जनवरी में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 2.75% पर पहुंच गई है। दिसंबर में ये 1.33% पर थी। 8 महीनों में सबसे ज्यादा है। मई 2025 में महंगाई 2.82% पर पहुंच गई थी। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी।

चांदी ₹2,949 सस्ती हुई, कीमत ₹2.39 लाख/किलो

18 दिन में ₹1.46 लाख की गिरावट, सोना ₹1,315 बढ़कर ₹1.54 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी के दाम में आज 16 फरवरी को लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 2,949 रुपए गिरकर 2,39,484 रुपए किलो पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को चांदी की कीमत 2,42,433 रुपए किलो थी। वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,315 रुपए बढ़कर 1,54,080 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को ये 1,52,765 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। हालांकि, पिछले तीन कारोबारी दिनों में चांदी 26,965 और सोना 3,242 रुपए सस्ता हुआ है। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 रुपए और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। तब से अब तक सोना 22,041 रुपए और चांदी 1,46,449 सस्ती हो चुकी है। IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई है। इस दौरान सोना करीब 15% तक सस्ता हो गया था। अब कीमतें स्थिर होते ही निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी शुरू कर दी है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अभी सोने-चांदी में एक मुश्त पैसा लगाने से बचना चाहिए। इसकी जगह धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा फायदेमंद होगा। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

डॉग और बम स्क्वॉड पहुंची, ई-मेल में एलटीटीई-पाकिस्तान आईएसआई लिखा है

लखनऊ कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

अर्लट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी स्थित लखनऊ जिला न्यायालय को सोमवार सुबह एक धमकी भरा ई-मेल मिलने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। करीब 8:38 बजे भेजे गए इस ई-मेल में दावा किया गया कि न्यायाधीशों के चेंबर में 12 आरडीएक्स आधारित आईईडी लगाए गए हैं, जो जल्द ही विस्फोट कर सकते हैं। मेल में दोपहर 12:15 बजे तक पूरे परिसर को खाली कराने की चेतावनी भी दी गई थी। ई-मेल मिलते ही कोर्ट प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। सूचना मिलते ही वजीरगंज पुलिस थाना की टीम मौके पर पहुंची। इसके साथ ही डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता भी कोर्ट

परिसर में तैनात कर दिया गया। पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर एक-एक कक्ष, चेंबर और आसपास के क्षेत्रों की गहन तलाशी ली गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, लेकिन मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। साइबर सेल को भी ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए लगाया गया है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह शरारती तत्वों की हरकत है या किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों ने आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है। साथ ही मेल में तमिलनाडु में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करने को लेकर आपत्ति दर्ज कराते हुए उसे रोकने की बात भी लिखी गई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की भी जांच कर रही हैं।

मेल में आईएसआई और एलटीटीइ का उल्लेख

धमकी भरा ई-मेल एक आउटलुक आईडी से भेजा गया, जिसमें अंत में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और LTTE का जिक्र किया गया है। साथ ही मेल में तमिलनाडु में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करने को लेकर आपत्ति दर्ज कराते हुए उसे रोकने की बात भी लिखी गई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की भी जांच कर रही हैं कि ई-मेल में जिन संगठनों के नाम लिखे गए हैं, उनका इससे कोई वास्तविक संबंध है या यह केवल दहशत फैलाने की कोशिश है।

घंटों चली सघन तलाशी, नहीं मिला कुछ संदिग्ध

डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने कई घंटों तक परिसर के अंदर और बाहर जांच की, लेकिन प्रारंभिक तलाशी में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। कोर्ट में आने-जाने वाले लोगों की सख्ती से जांच की गई। एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई।

"घटना के बाद कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अफसरों का कहना है कि मामले की पूरी तरह जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। बताया जा रहा है कि इससे पहले शुक्रवार को भी कोर्ट परिसर में एहतियातन चेकिंग की गई थी। लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां अतिरिक्त सतर्कता बरत रही हैं।"

इंडो-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

इंडो-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

- कलेक्ट्रेट पहुंचने पर पुलिस ने किसानों को समझाने की कोशिश की।
- किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले किसानों ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते में कृषि और दुग्ध उत्पादों को शामिल किए जाने की आशंका को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट ज्ञान चंद गुप्ता के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर कृषि हितों की रक्षा की मांग की। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष (पूर्वी उत्तर प्रदेश) प्रताप बहादुर ने कहा कि यदि व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी सेक्टर को शामिल किया गया तो इसका सीधा असर देश के छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 87 प्रतिशत किसान सीमांत श्रेणी में आते हैं। उनकी आजीविका खेती व पशुपालन पर निर्भर है। ऐसे में विदेशी उत्पादों की एंट्री से उनकी आय प्रभावित हो सकती है। ज्ञापन में कहा गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वहां की कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस के हालिया बयानों से यह संकेत मिलता है कि प्रस्तावित समझौते से अमेरिकी किसानों को लाभ पहुंच सकता है।

फास्ट न्यूज

दोस्त की रिहाई के लिए 30 लाख की टप्पेबाजी की

लखनऊ। लखनऊ की मड़ियांव पुलिस ने 14 फरवरी, शनिवार की रात एटीएम बदलकर टप्पेबाजी करने वाले 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया। दोनों एटीएम बूथ के बाहर खड़े होकर बुजुर्ग और महिलाओं को अपना निशाना बनाते थे। इनके पास 181 एटीएम कार्ड भी मिले। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि उनका एक दोस्त ठगी के मामले में अयोध्या जेल में बंद है। उसे छुड़ाने के लिए 4 लाख रुपए की जरूरत थी, इसीलिए वे टप्पेबाजी कर रुपए जुटा रहे थे।

एमबीबीएस छात्रों की बुलेट में कंटेनर ने मारी टक्कर

मोहनलालगंज। लखनऊ के सुशान्त गोल्फ सिटी में एक सड़क हादसे में MBBS छात्र ध्रुव अग्रवाल (23) की मौत हो गई। यह घटना शनिवार देर रात पुलिस मुख्यालय के सामने सर्विस लेन पर हुई। बुलेट पर सवार ध्रुव का दोस्त हार्दिक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, देर रात करीब 1:30 बजे ध्रुव अपने दोस्त हार्दिक के साथ बुलेट से चाय पीने निकला था। डॉयल-112 के सामने एक बेकाबू कंटेनर ने उनकी बुलेट को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बुलेट अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। ध्रुव अग्रवाल मूल रूप से बिजनौर जिले के निवासी राजीव अग्रवाल के बेटे थे। वह लोहिया संस्थान में एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्र थे और संस्थान के हॉस्टल में रहते थे। हार्दिक मेरठ का रहने वाला है।

बदायूं में हिट एंड रन, बोलेरो ने 5 को रौंदा

बदायूं। बदायूं में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां बेकाबू तेज रफ्तार बोलेरो ने 5 युवकों को रौंद दिया। इसमें से 3 की मौत हो गई। पहले उसने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मारी, फिर भागने के चक्कर में एक और युवक को कुचल दिया। इसमें से दो की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने गाड़ी की रफ्तार और बढ़ा दी। करीब 20 मिनट बाद 18 किलोमीटर दूर एक और बाइक को टक्कर मार दी।

विधानसभा में दो राजकीय विश्वविद्यालय स्थापना हेतु संशोधन विधेयक पारित

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने अंत्योदय के आधार पर शिक्षा विस्तार पर दिया जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 में योगी सरकार ने उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026 तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करा लिया। सदन में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत दोनों विधेयक बहुमत से पारित हुए। सदन में प्रस्ताव रखते हुए उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य उच्च शिक्षा को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाना है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानववाद के दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानकर कार्य कर रही है। योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण, पिछड़े और वंचित क्षेत्रों तक विश्वविद्यालय पहुंचाने की दिशा में लगातार ठोस निर्णय लिए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके। मंत्री उपाध्याय ने बताया कि संशोधन विधेयक के तहत ज्ञानपुर, जनपद भदोही स्थित काशी नरेश स्नातकोत्तर महाविद्यालय को उन्नत कर विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे आसपास के 23 महाविद्यालयों का संबद्धीकरण संभव होगा और क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, शोध और नवाचार के बेहतर अवसर मिलेंगे। यह निर्णय पूर्वांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए केंद्र के रूप में विकसित होने की दिशा में अहम कदम है। द्वितीय संशोधन विधेयक के माध्यम से शाहजहांपुर स्थित मुमुक्षु आश्रम ट्रस्ट की शैक्षिक इकाइयों को उच्चीकृत कर स्वामी सुखदेवानंद विश्वविद्यालय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया गया है। मंत्री ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा एमओयू करके अपनी चल - अचल द्वारा अपनी भूमि और संसाधन सरकार को हस्तांतरित कर विश्वविद्यालय स्थापना में सहयोग दिया गया है। इससे 60 क्षेत्रीय महाविद्यालयों का संबद्धीकरण होगा और युवाओं को स्थानीय स्तर पर शिक्षा व रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मंत्री उपाध्याय ने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2017 के बाद योगी सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार किए हैं। जहां पहले कई मंडलों में सरकारी विश्वविद्यालयों का अभाव था, वहीं अब लगातार नए विश्वविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं।

लुटेरों ने बेटे के सामने बाप की हत्या की

बहू डरकर बेड के नीचे छिपी, श्रावस्ती में घर में घुसकर वारदात

- पड़ोसी पहुंचे तो किसान का शव लहूलुहान तख्त पर पड़ा मिला।
- बदमाशों ने हत्या के बाद घर से लाखों के जेवर लूट लिए।
- किसान की हत्या के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रावस्ती। श्रावस्ती में बेटे के सामने बदमाशों ने घर में घुसकर किसान की हत्या कर दी। इसके बाद सोने-चांदी के जेवर लूटकर फरार हो गए। परिवार के मुताबिक, रविवार रात करीब 3 बजे चार नकाबपोश बदमाश घर में घुस आए। आहट सुनकर किसान की आंख खुल गई। उन्होंने शोर मचाया और बदमाशों से भिड़ गए। आवाज सुनकर बहू और बेटा भी जाग गए। बेटा दौड़कर कमरे में पहुंचा तो बदमाशों ने उसे पकड़ लिया। उसके सामने ही पिता पर चाकू से कई बार वार किए गए। यह देखकर बहू बेड के नीचे छिप गई। चारों बदमाशों के जाने के बाद महिला ने चिल्लाकर आसपास के लोगों को बुलाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिलहाल पुलिस गांव के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। घटना हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र की है। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर भजोरे पुरवा गांव है। यहां किसान नेमराज पाठक (49) अपने बेटे सुनील और बहू लक्ष्मी के साथ रहते थे। उनकी पत्नी का पांच साल पहले निधन हो चुका है। नेमराज भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके दूसरे भाई गांव में ही रहते हैं।

गांव से बाहर किसान का मकान, घर में सिर्फ 3 लोग

जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर भजोरे पुरवा गांव है। यहां किसान नेमराज पाठक (49) अपने बेटे सुनील और बहू लक्ष्मी के साथ रहते थे। उनकी पत्नी का पांच साल पहले निधन हो चुका है। नेमराज भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके दूसरे भाई गांव में ही रहते हैं। उन्होंने गांव से बाहर घर बनवा रखा था। बेटे की शादी करीब दो साल पहले हुई थी।

बहू ने बताया कि रात करीब 3 बजे डकैत घर में घुसे थे। मैं और मेरे पति दूसरे कमरे में थे। ससुर की चीखने की आवाज आई तो मेरे पति सुनील देखने गए। बदमाशों ने उन्हें दबोच लिया। यह देखकर मैं डर गई और बेड के नीचे छिप गई। मेरे पति की आंखों के सामने ही डकैतों ने ससुर की हत्या कर दी। मैंने बेड के नीचे से चार लोगों के पैर देखे थे। इसके बाद बदमाशों ने पूरे घर में लूटपाट की और सारे गहने उठा ले गए। उनके जाने के बाद मैंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी।

एसपी बोले- जल्द गिरफ्तार होंगे आरोपी

इधर, हत्या और लूट की सूचना पर एसपी राहुल भाटी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी सबूत जुटाए। एसपी ने बताया कि बेटे की तहरीर पर चार बदमाशों के खिलाफ लूट और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

वारदात : खुद रेलवे लाइन पर लेटकर सुसाइड किया, कानपुर की वारदात

पत्नी-बेटे की रिटायर फौजी ने गोली मारकर हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में रिटायर फौजी ने लाइसेंसी बंदूक से पत्नी और 16 साल के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद वह बाइक से रेलवे अंडरपास पहुंचा और ट्रेन के नीचे लेटकर जान दे दी। वारदात का पता उस वक्त चला, जब पुलिस बाइक के नंबर से फौजी की पहचान कर उसके घर पहुंची। घर के अंदर जाने पर पत्नी और बेटे की फर्श पर लाश मिली। पत्नी के सिर और बेटे के सीने में गोली मारी गई थी। किचन से बेडरूम तक खून फैला हुआ था। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने अफसरों को इसकी जानकारी दी। फिलहाल पुलिस का कहना है कि फौजी ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अब तक सामने नहीं आई है। घटना सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान रिटायर फौजी चेतराम पासवान (51), उसकी पत्नी सुनीता वर्मा (40) और बेटे दीप (16) के रूप में हुई है। चेतराम मूल रूप से घाटमपुर के सेरूआ बखरिया गांव का रहने वाला था। उसकी शादी 25 साल पहले साढ़ थाना क्षेत्र के पाल्हेंपुर गांव की रहने वाली सुनीता से हुई थी। फौज से रिटायर होने के बाद चेतराम बड़ा चौराहा के स्टेट बैंक में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। उसने छह महीने पहले ही बेटी की शादी मेरठ निवासी युवक से की थी। इसके बाद तुलसियापुर में नया घर बनवाया था। चार महीने पहले वह उस घर में शिफ्ट हो गया। यहां वह पत्नी सुनीता और बेटे दीप के साथ रहता था।

चेतराम दीप सुनीता वर्मा

कानपुर में रिटायर्ड फौजी का घर। पुलिस जब फौजी के सुसाइड की सूचना देने पहुंची तो यहां दो लाशें अंदर पड़ी थी।

"घटना की सूचना मिलते ही सुनीता की बहन आशा देवी मौके पर पहुंचीं, हालांकि उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। वहीं भाई बाबू राम ने बताया कि चेतराम ने हत्या कर सुसाइड नहीं किया है, बल्कि किसी ने इनकी हत्या की है। बेटे की कमर में रस्सी बंधी थी। चेतराम पर इस समय कोई कर्ज नहीं था। जो कर्ज था, उसे खेत बेचकर चुका दिया गया था।

फोरेंसिक टीम और पुलिस ने मौके से बंदूक, खोखे और खून से सने कपड़े जुटाए हैं।

मालगाड़ी से कटा रिटायर फौजी, बाइक नंबर से पहचान

एडिशनल कमिश्नर विपिन ताडा ने बताया कि सोमवार सुबह 7:30 बजे सूचना मिली कि कठोगर–इमलीपुर रेलवे अंडरपास के पास रेलवे ट्रैक पर मालगाड़ी से कटकर एक व्यक्ति ने सुसाइड कर लिया। पुलिस मौके पर पहुंची तो उसकी जेब से आधार कार्ड मिला। बगल में बाइक पड़ी हुई थी। बाइक नंबर से युवक की पहचान रिटायर्ड फौजी चेतराम के रूप में हुई।

हर व्यक्ति को न्याय दिलाना सरकार की प्रतिबद्धता व प्राथमिकता : केशव प्रसाद मौर्य

केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में सुनी समस्याएं, दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार अपने लखनऊ कैम्प कार्यालय पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कई सैकड़ा लोगों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, वृद्धजन व युवा उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। अधिकतर प्रकरणों में भूमि विवाद, राजस्व संबंधित मुद्दे, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी की समस्याएं, पुलिस कार्यवाही से सम्बन्धित, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़े मामले रहे श्री मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है, जिससे जमीनी हकीकत सामने आती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मामलों में आवश्यक हो, वहां मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाए और पीड़ितों को समयबद्ध राहत प्रदान की जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरतमंदों व पात्र लोगों को हर सम्भव सरकारी सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलना ही चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आम जनता की भलाई के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और जनहित सर्वोपरि है। श्री मौर्य ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सरकार हर संभव कदम उठाएगी और कोई भी पीड़ित निराश न लौटे—यही प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। श्री मौर्य ने जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उत्पीड़न , भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय।

पृष्ठ 01 का शेष...

थरूर विदेश मंत्री ...

इसके बाद पवन खेड़ा ने X पर लिखा- मणिशंकर अय्यर का पिछले कुछ सालों से कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है। वे अपनी व्यक्तिगत क्षमता से बोलते और लिखते हैं। केरल विधानसभा चुनाव को लेकर अय्यर ने कहा- मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह जीतेगी। कांग्रेस नेता आपस में बंटे हुए हैं। वे कम्युनिस्टों से ज्यादा एक-दूसरे से नफरत करते हैं। उन्होंने पहले भी केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की तारीफ की थी और कहा था कि पिनराई सरकार की उपलब्धियों के बाद वाम सरकार की वापसी संभव है। अय्यर ने बातचीत में कहा कि अगर INDIA ब्लॉक को मजबूत करना है, तो एमके स्टालिन सबसे बेहतर व्यक्ति हैं। राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, बशर्ते कोई ऐसा हो जो अपना पूरा समय INDIA ब्लॉक को मजबूत करने और उसे एकजुट रखने में लगाए। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल- पार्टी का आधिकारिक रुख अय्यर के बयान से अलग है। इसे कांग्रेस की स्थिति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद जेबी मैथर- अय्यर ने उन राजनीतिक ताकतों को नहीं समझा है, जो आगामी केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों को तय करेंगी। कांग्रेस नेता सचिन पायलट- मैं इतना बता सकता हूं कि अय्यर कांग्रेस पार्टी में नहीं हैं। इसके अलावा मैं और कुछ नहीं कहना चाहता।

पीएम ने आई ...

इसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डी सिल्वा सहित 15-20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 50 से ज्यादा मंत्री शामिल होंगे। दुनिया की दिग्गज ग्लोबल और भारतीय टेक कंपनियों के 40 से ज्यादा CEO के भी समिट में हिस्सा लेने की उम्मीद हैं। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपनए-आई के सैम ऑल्टमैन, एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग और माइक्रोसॉफ्ट-गूगल के अन्य बड़े नाम इसमें हिस्सा लेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, टाटा संस के एन. चंद्रशेखरन, इंफोसिस के नंदन नीलेकणि, भारती एंटरप्राइजेज के सुनील भारती मित्तल, टीसीएस के सीईओ के. कृतिवासन और एचसीएल टेक की रोशनी नादर मल्होत्रा भी शामिल होंगी।आपकी नौकरी कई सारे कामों का एक बंडल है। AI नौकरियों को पूरी तरह खत्म नहीं करेगा, बल्कि उनके काम करने के तरीके को बदल देगा। AI किसी भी काम को छोटे-छोटे हिस्सों (टास्क) में बांट देगा जिससे काम करना आसान होगा। आपकी नौकरी कई सारे कामों का एक बंडल है। AI बस उस बंडल को खोलकर कामों को अलग-अलग कर देगा।AI बस उस बंडल को खोलकर कामों को अलग-अलग कर देगा।

अवैध पटाखा ...

डीएनए जांच और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। इस फैक्ट्री में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। मौके से बारूद, पटाखे और पैकिंग के डिब्बे मिले हैं। घटना के समय करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। एक मजदूर की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई। डीएनए जांच और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। मौके पर अब केवल तहसीलदार मौजूद है। मरने वालों के परिजनों को थाने लाया गया है, जहां पुलिसकर्मी उनकी देखभाल कर रहे हैं। कलेक्टर-एसपी सहित सभी अधिकारी मौके से निकल चुके हैं। जांच के निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी। खैरथल-तिजारा जिला कलेक्टर अर्तिका शुक्ला ने 7 दिन में सभी फैक्ट्रियों और औद्योगिक इकाइयों की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा- जांच में यह देखा जाएगा कि औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा के नियम सही तरह से लागू हो रहे हैं या नहीं। इस दौरान वहां चल रही गतिविधियों, आग से बचाव के इंतजाम, जरूरी सरकारी अनुमति और मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखा जाएगा। पुलिस सुबह से फैक्ट्री मालिक और मैनेजर से संपर्क करने की कोशिश कर रही थी। काफी कोशिश के बाद फैक्ट्री के मैनेजर अभिनंदन से फोन पर बात हो पाई। अब पुलिस ने उसे थाने बुलाने के बाद हिरासत में ले लिया है। पुलिस फैक्ट्री मैनेजर से पूछताछ कर रही है। मंत्री संजय शर्मा और तिजारा विधायक बालकनाथ ने मृतकों के परिजनों से मिलने पहुंचे, लेकिन परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्हें किसी की सुध नहीं है। ऐसे में वे न तो नेताओं से मिल पाने की स्थिति में है, न ही कुछ बोलने की। घटना का सीसीटीवी सामने आया है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि फैक्ट्री में तेज ब्लास्ट के साथ आग लग गई। ब्लास्ट इतना तेज था कुछ देर के लिए ऐसा लगा जैसे भूकंप आया हो। 8 मृतकों में से 3 की पहचान हो गई है। ये तीनों मिंटू, नितेश और सुजान बिहार के मोतिहारी जिले के रहने वाले थे। इसके अलावा 4 मजदूरों अनूप कुमार, जुन्नु, विवेक कुमार और मन्नू को एम्स रेफर किया गया है। बाकी शव इतनी बुरी तरह जल गए है कि पहचान डीएनए जांच के बाद ही संभव हो पाएगी। मंत्री संजय शर्मा ने कहा-यह गारमेंट जोन है, यहां दूसरा व्यवसाय नहीं हो सकता, लेकिन गैरकानूनी तरीके से पटाखे बनाने का काम गेट पर ताले लगाकर किया जा रहा था। मृतकों की पहचान डीएनए से कराई जा रही है। अधिकतर मजदूर बिहार के बताए जा रहे हैं। खैरथल-तिजारा जिला कलेक्टर बिहार के मोतिहारी जिले के कलेक्टर से लगातार संपर्क में हैं।

बजट सत्र में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का बयान

यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े सुधार का दावा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व विधान परिषद मे नेता सदन श्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ में विधान परिषद के बजट सत्र 2026-27 के दौरान सोमवार को उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और सरकारी नीतियों के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। उत्तर प्रदेश मे चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के ढांचा, डाक्टरो व पैरा मेडिकल स्टाफ के बारे जानकारी देते हुये कहा कि प्रदेश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। जिन जिला अस्पतालों का मेडिकल कॉलेजों में विलय हुआ है, उनके अलावा पीएचसी, सीएचसी और अन्य जिला अस्पतालों में सुविधाएं पहले से बेहतर हुई हैं। जहां एमआरआई या सीटी स्कैन के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं हैं, वहां निजी क्षेत्र की साझेदारी से सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मौर्य ने चिकित्सा सहायता न देने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि लाभार्थियों की सूची सार्वजनिक है और सहायता पात्रता के आधार पर दी जाती है। गैर-पैनल निजी अस्पतालों के मामलों में सरकारी मदद संभव नहीं होती। आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री आरोग्य योजना का उल्लेख करते हुये उन्होंने बताया कि सरकार गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने के लिए संवेदनशील है। आयुष्मान भारत और राज्य की योजनाओं से बड़ी आबादी को मुफ्त या सस्ती इलाज सुविधा मिल रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676